* संस्कृत (Sanskrit)
(Developments to promote sanskrit)

* Jawaharlal nehru - Made sanskrit Ayog in 1958.

- Prof. Suniti Kr. Chatterjee (Made the chairperson)

- V. Raghwan, Vishwabandhu Shastri were members of the committee.
- Gave a report that was published. (1960)
- Introduced modern and traditional way of teaching sanskrit. (Lord Macaulay)

- Both are important and should be promoted.

- Sanskrit University was opened in 1961 in Tirupati.
- Sanskrit dept. was promoted in other colleges like calcutta uni, etc.
- L.B.S Sanskrit Vidyapeeth (1965)

Scanned with OKEN Scanner

- Sanskrit day was celebrated since 1969
  (celebrated in Raqshabandhan)
  ("Celebrated in Shrawani Purnima")
- Because, the sanskrit scholars used to start reading ved from this day.
- They used to change their "Janeu" this day.

- 1970, I. Gandhi established National Sanskrit Institute to monitor and suggest activities to promote the lang. in the country.

- 1987 - Rajeev Gandhi established Maharshi Sandipni Ved vidya Pratisthan, in Ujjain.

- 1994 - N. Rao - Sanskrit was used in news channels like Akashwani, to promote the lang.

- Atal B. Vajpayee - We should read the manuscripts (Pandulipi), written in sanskrit (called for National manuscrip mission)

Scanned with OKEN Scanner

- Vartavali started 2016 in DD news.

* Ved = Shruti (श्रुति) (Were remembered in 8 diff. ways.)

* Rig ved = Oldest book of all time.

- Dandi - Used the word "Sanskrit" for the first time in 500 bc.

* Article 391 in constitution: New words will be formed from sanskrit (2000 verbs)

- Rig veda (ऋग वेद)।
- Sam ved (साम वेद)। - वेदत्रयी
- Atharva ved (अथर्व वेद)।
- Yajur ved (यजुर्वेद)। (1) (क्योंकि अथर्ववेद बाद में आया)

(2) { ज्ञान
कर्म
उपासना

(3) तीन प्रकार के मंत्र हैं।
- ऋक् - यजुष्
- साम

* Parts of articulation : (उच्चारण स्थान)

* (कण्ठ) : अ, क, ख, ग, घ, ङ
ह, अः (विसर्ग)

* ह्रस्व दीर्घ प्लुत
अ आ अ३

*(तालु) : इ, च, छ, ज, झ, ञ,
य, श

* श (तालव्य)
* ष (मूर्धन्य)
* स (दन्त्य)

* (मूर्धा) : ट, ठ, ड, ढ, ण, र, ष, ऋ

* (दन्त) : लृ, त, थ, द, ध, न, ल, स

* (ओष्ठ) : उ, प, फ, ब, भ, म
(ᴝप, ᴝफ,
(उपध्मानीय ध्वनि)

* (नासिका) : ञ, म, ङ, ण, न, अँ (अनुस्वार)

Scanned with OKEN Scanner

* (कण्ठ + तालु) : ए, ऐ
* (कण्ठ + ओष्ठ) : ओ, औ
* (दन्त + ओष्ठ) : व

* (Ashtadhyayi : Written by पाणिनि)

* त्रिमुनि : पाणिनि - अष्टाध्यायी

- Sanskrit grammar book - 4000 sutras
  explains whole sanskrit grammar

* कात्यायन - वार्तिक
* पतंजलि - महाभाष्य । योगसूत्र

* स्वरा: - अ, इ, उ, ऋ, लृ, ए, ओ, ऐ, औ।

Scanned with OKEN Scanner

* माहेश्वर सूत्र : (स्वर)
(प्रत्याहार सूत्र)

* अ इ उ ण् । ऋ ऌ क् । ए ओ ङ् । ऐ औ च् ।
(व्यंजन)

* ह य व र ट् । ल ण् । ञ म ङ ण न म् ।
झ भ ञ् ।

* घ ढ ध ष् । ज ब ग ड द श् ।
ख फ छ ठ थ च ट त व् ।

* क प य् । श ष स र् । ह ल् ।

* अक् - (हलन्त् वाले वर्णों को छोड़कर).
= अ इ उ ऋ ऌ ।

* इक् - इ उ ऋ ऌ ।

* एङ् - ए ओ ।

* अच् - अ इ उ ऋ ऌ ए ओ ऐ औ ।

* यण् - य् व् र् ल् ।

* उक् - उ ऋ ऌ ।

* झभ् - झ् भ् ञ् ण् न् ।

* अण् - अ इ उ ।

Scanned with OKEN Scanner

* स्वयं राजन्ते इति स्वराः ।
* व्यंजन स्वरों पर निर्भर होते हैं।

* वेद में 3 प्रकार के स्वर होते हैं।

(*) उदात्त : तालु के ऊपर से बोले जाते हैं।

(*) अनुदात्त : तालु के नीचे से बोले जाते हैं।

(*) स्वरित : दोनो जगह से बोले जाते हैं।

* वेद = श्रुति , आम्नाय , छान्दस
(सुन्ना) (अभ्यास) (आवरण)

(विद् धातु)

अर्थ = ज्ञान
लाभ
सत्ता
विचार

Scanned with OKEN Scanner

प्राच्यवाद Orientalism

* प्राची = पूर्व (East)
* प्राच्य : जो पूर्व में हो चुका है।

* प्राच्यविद्या : Oriental studies

* Lord Byron (a france painter) used the term oriental studies for the first time in 1812.

* Edward sayeed written the book orientalism in 1978, and orientalism became famous in the word.

* पश्चिम के देशों द्वारा अपने आधिपत्य को

(1) शिक्षा
(2) कल्प
(3) निरुक्त
(4) ज्योतिष
(5) छन्द
(6) व्याकरण

} वेदांग

Scanned with OKEN Scanner

* पठ् धातु (लट् लकार)

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र० पु०	पठति	पठतः	पठन्ति
म० पु०	पठसि	पठथः	पठथ
उ० पु०	पठामि	पठावः	पठामः

* सः पठति । सा पठति ।
* तौ पठतः । ते पठतः ।
* ते पठन्ति । ताः पठन्ति ।
(पु०) (स्त्री०)

* अहम् पठामि ।
* आवाम् पठावः ।
* वयम् पठामः ।

Scanned with OKEN Scanner